



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 83]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 2, 1978/वैशाख 12, 1900

No. 83]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 2, 1978/VAISAKHA 12, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 मई, 1978

सं० एक 4(2)—डब्ल्यू० एच० एम०/78.— 6 प्रतिशत ऋण, 1988 (तीसरा निर्गम), 6½ प्रतिशत ऋण, 1995 और 6½ प्रतिशत ऋण, 2006 के लिए 15 मई, 1978 से अभिदान नकदी से स्वीकार किये जाएंगे। जैसे ही यह विदित होगा कि कुल अभिदान राशि अनुमानित 500 करोड़ रुपये (सांकेतिक) तक पहुँच गयी है, बिना सूचना दिये, किन्तु किमी भी दशा में 16 मई, 1978 को कारोबार बन्द होने से पूर्व इन निर्गमों को बन्द कर दिया जाएगा। सरकार को 500 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 550.00 करोड़ रुपये (सांकेतिक) से अधिक हो तो ऋणों के संबंध में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आबंटन के बाद यथाशीघ्र प्रतिरिक्त अभिदान राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज भ्रदा नहीं किया जाएगा।

3. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 22 नवम्बर, 1988 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6 प्रतिशत ऋण, 1988 (तीसरा निर्गम)

(i) वापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 22 नवम्बर, 1988 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज-दर 15 मई, 1978 से वार्षिक 6 प्रतिशत होगी। 15 मई से 21 मई, 1978 (बीस दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए 23 मई, 1978 को ब्याज भ्रदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 22 नवम्बर और 22 मई को ब्याज भ्रदा किया जाएगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन आय-कर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लयेगा।

4. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई, 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6½ प्रतिशत ऋण 1995।

(i) वापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 15 मई, 1995 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

6 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 15 नवम्बर और 15 मई का व्याज भ्रदा किया जाएगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धा के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5 रु० 100 00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 15 मई 2006 को सममूल्य पर प्रतिवेद्य 6 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत ऋण, 2006—

(1) वापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 15 मई 2006 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।

(11) निर्गम मूल्य—आवेदन ऋण के प्रत्येक रु० 100 00 (सकितिक) का निर्गम मूल्य रु० 100 00 होगा।

(111) व्याज—इस ऋण की व्याज-दर 15 मई, 1978 से वार्षिक 6 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 15 नवम्बर, और 15 मई, को व्याज भ्रदा किया जाएगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएँ

6 व्याज भ्रदा करने का स्थान—इस ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित शाख ऋण कार्यालयों, भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में और जम्मू तथा श्रीनगर में स्थित केन्द्रीय सरकार के वेतन और लेखा कार्यालयों में व्याज भ्रदा किया जाएगा।

7 (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) व्याज भ्रदा किये जाते समय काटे गये कर की वापसी भ्रदायगी उन ऋण धारकों को प्राप्त होगी जो कर-पत्र नहीं हैं या जिन पर उन दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जो धारक कर-पत्र नहीं या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पत्र है वह जिले के आय कर अधिकारी को आवेदन कर उनका एका ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू हान वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे व्याज भ्रदा किया जाए।

8 अब जारी किये जाने वाले सभी ऋणों पर और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले व्याज तथा अन्य अनुमावित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रुपये को सीमा तक

और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 90ठ के अन्य उपबन्धों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

9 अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और सम्पत्ति-कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य का भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक सम्पत्ति-कर से छूट प्राप्त होगी।

10 प्रतिभूतियाँ निम्न लिखित के रूप में जारी की जाएंगी।

(1) स्टॉक इसके आवेदकों को स्टॉक प्रमाणपत्र दिये जाएंगे, या

(11) वचन पत्र

यदि आवेदक इनमें से किसी एक पक्ष में विशेष अभिरुचि का उल्लेख न करे तो वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ जारी की जाएंगी।

11 ऋणों के लिए आवेदन-पत्र—ऋणा के लिए आवेदन पत्र रु० 100 या उसके गुणज्ञा के लिए हाने चाहिए।

12 आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई (फाट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और

(ख) उपर्युक्त (क) को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

13 आवेदनपत्र इसके साथ सभ्यन फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक के पूरे नाम और पते तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की भ्रदायगी की अपेक्षा करना हो।

14 आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय या रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राकरित होने चाहिए।

15 स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मोहूरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आवेदनों पर प्रति रु० 100 (सकितिक) 6 पैसे की दर पर दलाली भ्रदा की जाएगी।

दलाली की भ्रदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छ महीने के भीतर भ्रदायगी कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से

के० एन० राव, समुक्त सचिव

## आवेदन फार्म

मैं/हम ..... इसके साथ ..... रुपये

[पूरा (पूरे) नाम]

नकदी में/..... रुपये के लिए चेक प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें वचन पत्र (पत्रों)\*\* के रूप में ..... स्टॉक प्रमाणपत्र

में ..... रूप्यों के सांकेतिक मूल्य के 6 प्रतिशत ऋण, 1988\* (तीसरा निर्गम)/6 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत ऋण, 1995\*/6 $\frac{1}{2}$  प्रतिशत ऋण 2006\* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं और उनका व्याज ..... में देय हो।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे। सारी प्रविष्टियां लोक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

छोटे हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं०.....	
'बलासी नहीं' मुहर.....	
प्राप्त नकदी.....	
वसूल हुआ चेक.....	
विशेष चालू खाते में जमा किया गया.....	
जांच की गयी.....	
नकदी आवेदन-पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया.....	
दल ली रजिस्टर में दर्ज किया गया.....	
मांग पत्र सं०.....	
प्रतिभूति सं०.....	
कार्ड सं०.....	
..... को	
वाउचर पारित किया गया.....	

हस्ताक्षर.....  
पूरा नाम.....  
पता.....

दिनांक: मई, 1978

टिप्पणी: (1) प्रत्येक ऋण और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग अलग आवेदन किया जाए।

(1) यदि आवेदक के हस्ताक्षर भ्रंगूटे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम पर किया जाए तो निम्नलिखित वस्तावेज निवेश आवेदन पत्र के साथ संलग्न किये जाएं यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों:—

(i) पंजीकरण/निगमन का प्रमाणपत्र।

(ii) निकाय/कंपनी का जापनपत्र और अंतनियम या नियमों और विनियमों/उपनियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) निकाय/कंपनी की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेन-देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी कराना चाहते हैं, उन्हें छमाही व्याज के प्रेषण के लिए आवेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

\*\*रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मुख्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे। जो मुख्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहां किया जाए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd May, 1978

**NO. F. 4(2)-W & M/78.**—Subscriptions for the issues of 6 per cent Loan, 1988 (Third Issue), 6-1/4 per cent Loan, 1995 and 6-3/4 per cent. Loan, 2006 will be received from the 15th May, 1978 in the form of cash. The issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions amount approximately to Rs. 500 crores (Nominal) and in any case not later than the close of business on the 16th May, 1978. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 500 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 550 crores (Nominal), partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6 per cent. Loan, 1988 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 22nd November 1988.—

(i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 22nd of November, 1988.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6 per cent. per annum from 15th May 1978. Interest for the period 15th May to 21st May 1978 inclusive will be paid on 22nd May, 1978 and thereafter interest will be paid half yearly on 22nd November and 22nd May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 6-1/4 per cent. Loan, 1995 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May, 1995.

(i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 15th of May, 1995.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6-1/4 per cent. per annum from 15th May, 1978. Interest will be paid half yearly on the 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 6-3/4 per cent. Loan, 2006 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th May, 2006.

(i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 15th of May 2006.

(ii) Issue price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6-3/4 per cent. per annum from 15th May, 1978. Interest will be paid half-yearly on the 15th November and 15th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Place of payment of interest.—Interest on the loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim, and at the Central Government's Pay and Accounts Offices at Jammu and Srinagar.

7. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

8. Interest on all the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

9. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in section 5 of the Wealth Tax Act will also be exempt from the Wealth Tax upto Rs. 1,50,000.

10. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock, the applicants for which will be given Stock Certificates, or

(ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

11. Applications for the loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

12. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,

K. N. ROW, Jt. Secy.

## FORM OF APPLICATION

I/We

(Full Name (s) in Block letters)

tender Cash Rs.

/Cheque for Rs

herewith

and request that Securities of 6 per cent Loan, 1988\* (Third Issue)/6½ per cent Loan 1995\*/6½ per cent Loan 2006\* of the nominal value of Rs may be issued to me/us in the form of Promissory Note(s)\*\*

Stock Certificate

interest to be payable at

N B —The applicant should not write anything in this cage The entries will be filled in by the Public Debt Office.

	Initials	Date
Application No		
N B. Stamp		
Cash received		
Cheque realised		
Credited to Special Current Account		
Examined		
Cash Application Register posted		
Brokerage Register posted		
Indent No		
Scrip No		
Card No		
Voucher passed on		

Signature

Name in Full

(Block letters)

Address

Dated the

of May 1978

NOTE —(1) Separate application should be made for each Loan and each form of scrip (Stock certificate or Promissory Note) of the new Loan required

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures

(3) If the application is made in the name of a registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application —

(i) Certificate of Registration/Incorporation

(ii) Memorandum and Articles of Association or certified copies of the Rules and Regulations/Bye-laws of the body/company

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person authorised to deal in Government securities on behalf of the body/company

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for transmission of half-yearly interest to them

\* Delete what is not required

\*\*Promissory Notes will be issued in denominations of Rs 100, Rs 200, Rs 500, Rs 1,000, Rs 5,000, Rs 10,000, Rs 25,000, Rs 50,000 and Rs 1,00,000. State here the particular denomination required

